



mr.himanshu



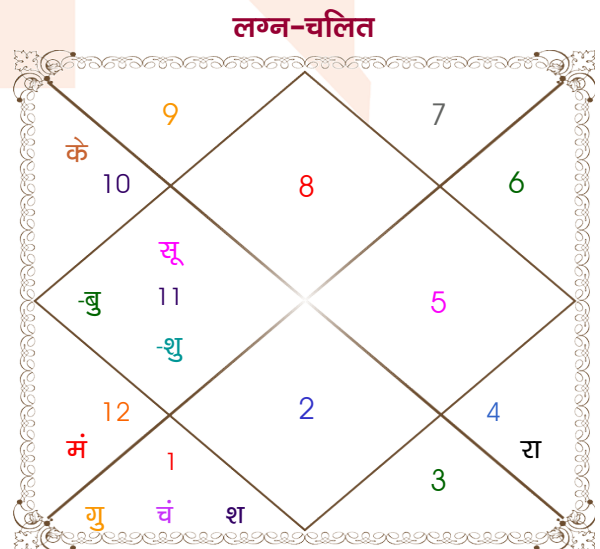
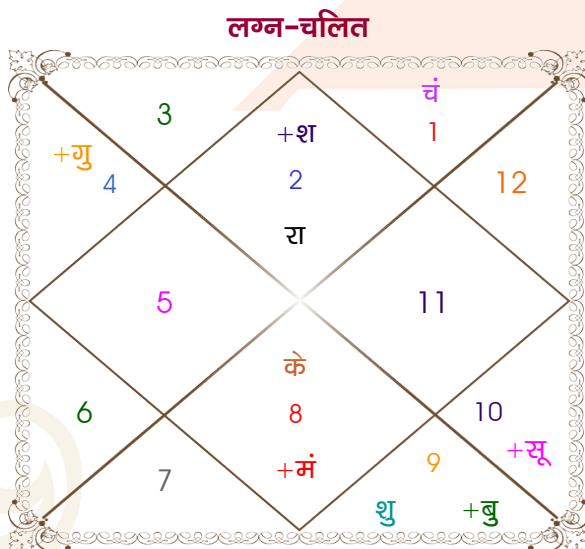
Ms.kajal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119799405

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/02/2003 : _____ जन्म तिथि _____ 9-10/03/2000
 शुक्रवार : _____ दिन _____ गुरु-शुक्रवार _____
 घंटे 12:15:00 : _____ जन्म समय _____ 00:45:00 घंटे
 घटी 12:41:55 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 45:12:31 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Ambala : _____ स्थान _____ Yamunanagar
 30:19:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 30:07:00 उत्तर
 76:49:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 77:18:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:22:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:20:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 07:10:13 : _____ सूर्योदय _____ 06:37:59
 18:02:59 : _____ सूर्यास्त _____ 18:25:03
 23:53:47 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:20

विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 8मा 13दि शुक्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 1वर्ष 7मा 2दि सूर्य	
21/10/2009		05:40:40	वृष	लग्न	वृश्चि	17:48:56	11/10/2021	
21/10/2029		24:10:24	मक	सूर्य	कुंभ	25:40:12	12/10/2027	
		00:33:58	मेष	चंद्र	मेष	10:18:15		
		19:41:43	वृश्चि	मंगल	मीन	26:19:50		
शुक्र	20/02/2013	29:02:23	धनु	बुध व	कुंभ	10:17:09	सूर्य	29/01/2022
सूर्य	20/02/2014	18:33:13	कर्क व	गुरु	मेष	10:32:46	चन्द्र	31/07/2022
चन्द्र	22/10/2015	09:10:49	धनु	शुक्र	कुंभ	01:35:44	मंगल	05/12/2022
मंगल	21/12/2016	28:26:59	वृष व	शनि	मेष	19:19:26	राहु	30/10/2023
राहु	22/12/2019	11:36:58	वृष व	राहु व	कर्क	08:45:39	गुरु	17/08/2024
गुरु	22/08/2022	11:36:58	वृश्चि व	केतु व	मक	08:45:39	शनि	30/07/2025
शनि	21/10/2025	04:18:01	कुंभ	हर्ष	मक	24:45:53	बुध	06/06/2026
बुध	21/08/2028	17:02:38	मक	नेप	मक	11:47:00	केतु	12/10/2026
केतु	21/10/2029	25:31:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:02:14	शुक्र	12/10/2027



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

उतणीपउंदीन का वर्ग सिंह है तथा Ms.kajal का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतणीपउंदीन और Ms.kajal का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

उतणीपउंदीन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल उतणीपउंदीन कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि उतणीपउंदीन कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.kajal मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता ।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् । ।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है ।

क्योंकि शनि Ms.kajal कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है ।

उतणीपउंदीन तथा Ms.kajal में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है ।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

